माहमारी के प्रति स्वयं ही नहीं, दूसरों को भी करें जागरूक

न्यूज सर्विस/नवज्योति, भीलवाड़ा

कट्स संस्थान द्वारा कोरोना वायरस महामारी के संक्रमण को कम करने एवं बचाव के लिए जागरूकता गतिविधि आसींद ब्लॉक के मोखमपुरा गाव में आयोजित की गई। परशराम राय, सचिव ग्राम पंचायत कावलास ने समुदाय को कोरोना वायरस महामारी संक्रमण से बचाव एवं अनलॉकडाउन नियमों की जानकारी दी गई। की कांवलास सरपंच किशन बारेट ने लोगों को बताया कि बाहर से आने वाले लोगों की सूचना प्रशासन को देवें एवं कोरॉना के प्रति जागरूक रहें। कट्स द्वारा बचाव किट वितरित किए गए। इस दौरान प्रेम देवी सदस्य पंचायत समिती कावलसा-बराना, खुमाराम गुर्जर वार्ड पंच, महावीर गुर्जर, जस्सु देवी, कट्स के गौरव चतुर्वेदी, निर्मला पुरोहित, हेमंत सिंह सिसोदिया, राधेश्याम गुर्जर आदि उपस्थिति रहे।

स्वच्छता व सोशल डिस्टेंसिंग ही कोरोना से बचाव के लिए कारगर

संदेश न्यूज। चेचट.

फाणदा में आयोजित कार्यशाला में लोगों को स्वच्छता से बीमारियों से लड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यशाला में कट्स इंटरनेशनल के परियोजना अधिकारी राजदीप पारीक ने कहा कि स्वच्छता से कोराना व अन्य बीमारियों से लड़ा जा सकता है। उन्होंने बताया कि कंज्यूमर सोसायटी ट्रस्ट राजस्थान के 11 जिलों में जैविक खेती और स्वच्छता पर जागरुकता अभियान चला रहा है। महामंत्री युधिष्ठिर चानसी व पर्यावरणविद् बृजेश विजयवर्गीय ने कहा कि प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाकर रासायनिक खादों और कीटनाशकों से बचें। देवलीकलां की कृषि पर्यवेक्षक पारूल ने कोरोना से बचाव के उपाय सुझाए। सरपंच प्रतिनिधि बंटी सेन ने जागरुकता पोस्टर का विमोचन कर मास्क, सेनेटाइजर व साबुन वितरित किए। समाजसेवी बालमुकुंद बैरागी ने विचार व्यक्त किए।

जैविक बीजों को संग्रहित करने के लिए जागरूक रहें

गंदे नालों से हो रही पैदावार जहर, किसान प्रतिनिधियों से विशेषज्ञों की परिचर्चा

कोटा (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान में जैविक उत्पाद एवं उपभोग द्वारा सतत उपभोग जीवन शैली व सांस्कृतिक परम्परागत खेती के लिए जैविक बीजों का आदान प्रदान किया जाए। प्रदेश में जैविक खेती को प्रोत्साहन देने के क्रम में कंज्यूमर यूनिटी ट्रस्ट सोसायटी जयपुर के परियोजना अधिकारी धर्मेंद्र चतुर्वेदी ने गत दिवस ग्राम भदाना में आयोजित किसान संगोष्ठी में यह बात कही।उन्होंने कहा कि कट्स द्वारा राजस्थान के 10 जिलों में जैविक खेती जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। स्वीडिश सोसायटी फॉर नेचर कंजर्वेशन का जागरूकता में बड़ा योगदान है। चतुर्वेदी ने कोटा के आसपास गंदे नालों व रासायनिक खादों से होने वाली पैदावार को जहर बताया।

रामकृष्ण शिक्षण संस्था के महामंत्री युधिष्ठिर चानसी ने बताया कि संगोष्ठि में गायत्री परिवार के मुख्य ट्रस्टी जीडी पटेल ने कहा कि रासायनिक खाद व कीटनाशकों से जमीन,जल प्रदूषण को शिकार होता है तथा मनुष्य कैंसर जैसी बीमारियों का ग्रास बनता है। पटेल ने जैविक खेती की ओर लौटने का आव्हान किया। जल बिरादरी के प्रदेश उपाध्यक्ष बृजेश विजयवर्गीय ने कहा कि प्राकृतिक खेती के प्रति देश में वातावरण बन रहा है। सरकारें भी इसे प्रोत्साहन दे रही है। बीजों का संग्रहण इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सेवानिवृत ग्राम सेवक खलील मोहम्मद ने कहा कि कोरोना से हताश होने की आवश्यकता नहीं है,प्राकृतिक खेती से हमारी हर तरह से उन्नति होगी।प्रगतिशील किसान राम निवास राठौड़ ने कहा कि जैविक खेती के प्रति किसानों की रुचि बढ़ रही है इसके लिए सरकार व स्वयंसेवी लोगों को बाजारवादी वातावरण बनाना पड़ेगा।बागवानी के जानकार कैथून के ओम प्रकाश सुमन ने बताया औषधीय पौधों के संरक्षण और प्रोत्साहन पर काम करने की जरूरत है। किसान प्रहलाद एवं मण्डावरी के प्रकाश जांगीड़ ने खेतों में यूरिया और डीएपी के विकल्प जैविक खाद के इस्तेमाल के लाभ बताए। चानसी जैविक कृषि फार्म पर जीडी पटेल एवं बृजेश विजयवर्गीय ने पौधारोपण भी किया। जुगल किशोर चानसी एवं दिनेश कुमार ने विशेषज्ञों का आभार जताया।

झालरी ग्राम पंचायत में जैविक बीजों पर परिचर्चा- पूर्व पार्षद युधिष्ठिर चानसी ने बताया कि कनवास ब्लॉक की झालरी पंचायत के भवन में आयोजित जैविक खेती जागरूकता एवं कोरोना से सावधानी पर परिचर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा में कट्स के परियोजना अधिकारी धर्मेंद्र चतुर्वेदी एवं पर्यावरणविद् बृजेश विजयवर्गीय ने जैविक बीजों के संग्रहण उनके आदान प्रदान ट का समाधान भी रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले खाद्यान्नों के उत्पादनों से ही होगा। कोई दवा इम्यूनिटी नहीं बढ़ा सकती यदि हमने रासायनिक खादों और कीटनाशकों को नहीं त्यागा। इससे हमारी खेती की जमीनें बर्बाद हो रही है।कृषि पर्यवेक्षक श्रीमती रामहेत मीणा ने भी किसानों से प्राकृतिक व परम्परागत खेती को अपनाने पर जोर दिया। किसान प्रतिनिधियों ने वर्मी कंपोस्ट व जैविक खादों के बारे में सवाल भी पूछे। कृषक किशन लाल ने कहा कि किसान प्रयास करें तो जैविक खेती असंभव नहीं है।

कार्यशाला आयोजित

कराएं मिट्टी की जांच, सीमित रखें यूरिया की मात्रा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बाटोदा. निकटवर्ती खेड़ा बाढ़ रामगढ गांव में गुरुवार को रुरल डवलपमेंट सोसाइटी एंड वोकेशनल ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन व स्वीडिस सोसाइटी फॉर नेचर कंजर्वेशन के संयुक्त तत्वावधान में किसानों की ग्राम स्तरीय जैविक खेती जागरुकता कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें कई विषयों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारियों व संस्था के प्रतिनिधियों ने मिट्टी का परीक्षण करवाकर आवश्कतानुसार रासायनिक उर्वरक का उपयोग करने की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बताया कि अकारण ही बहुत अधिक मात्रा में यूरिया डालने से जमीन के पोषक तत्व नष्ट होते हैं। यह किसानों के हित में नहीं है।

बाटोदा. खेड़ा बाढ़ रामगढ़ में आयोजित गोष्ठी में उपस्थित किसान।

संस्था के प्रतिनिधि दिनेश बागड़ा ने कार्यशाला में जैविक खाद का उपयोग कर खेती की उपज को बढ़ाने के लिए वर्मी कंपोस्ट खाद, वर्मी कंपोस्ट से होने वाले लाभ, जीवामृत, हर्बल स्प्रे व हर्बल खाद आदि की जानकारी दी। वहीं किसानों को बताया कि गर्मी के दौरान फसल कटने पर किसानों को गहरी जुताई कर परंपरागत कृषि विकास योजना पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यशाला में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सतत् विकास पर महामारी के नकारात्मक प्रभाव

जयपुर। (सफल राजस्थान) 'ग्रीन एक्शन वीक' प्रति वर्ष अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित किया जाता है। यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का अभियान है, जो कि सतत् उपभोग को बढ़ावा देता है। 'ग्रीन एक्शन वीक' अभियान स्वीडिश सोसायटी फॉर नेचर कंजरवेशन के सहयोग से वैश्विक स्तर पर आयोजित किया जाता है। इस अभियान में 30 देशों की करीब 50 संस्थाएं भाग लेती हैं। जिनमें अफ्रीका, एशिया, यूरोप, नोर्थ और साउथ अमेरिका के देश शामिल हैं। जयपुर स्थित अग्रणी उपभोक्ता संस्था 'कट्स' द्वारा भारत में 'ग्रीन एक्शन वीक' अभियान संचालित किया जा रहा है। 'ग्रीन एक्शन वीक', 2020 अभियान का इस वर्ष का विषय 'शेयरिंग कम्यूनिटी' है। वर्ष 2018 से इस विषय पर 'ग्रीन एक्शन वीक' अभियान के तहत समुदाय के साथ सामूहिक साझेदारी- सहयोग की भावना को बढ़ाया जा रहा है। इसमें वस्तुओं एवं सेवाओं की साझेदारी समुदाय के मध्य आपस में बढ़ाने की प्रक्रिया की जा रही है, साथ ही सतत् उपभोग की भावना को भी बढ़ाया जा रहा है। अभियान की प्रारम्भिक गतिविधि के अवसर पर 'कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने कहा कि एशिया प्रशांत क्षेत्र के सभी हितधारकों के द्वारा जब तक इस दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं किए जायेगे, तब तक सतत् विकास के लक्ष्यों को हासिल करने की संभावना दिखाई नहीं दे रही है। वर्तमान समय में कोरोना महामारी ने प्लास्टिक खपत में जबरदस्त वृद्धि की है। विश्व स्तर पर डिस्पोजेबल मास्क की बिक्री वर्ष 2019 में 800 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2020 में 166 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है। इसके साथ ही, शिक्षा व्यवस्था ऑनलाईन होने से इलेक्ट्रोनिक गैजेट्स का उपभोग भी बहुत अधिक बढ़ा है।

लगाए जाएंगे। एमबीएस अस्पताल एवं जेके लोन अस्पताल में मरीजों के साथ आने वाली महिला तीमारदारों के ठहरने एवं जलपान

चिकित्सा अधिकारी प्रभारी व आशा सुपरवाईजरों की भी कार्यशाला का आयोजन हुआ था।

बचाएं। घर पर अन्य बच्चों की पढाई में मदद करें। अध्यक्षता करते हुए अर्जुनदेव चड्ढा ने कहा कि वेद चार हैं।

धनों में विशिष्ट धन है। विद्यावान की सर्वत्र पूजा होती है। विशिष्ट अतिथि ओमप्रकाश आर्य ने बताया कि वृद्धों की

जैविक खेती अपनाने से कृषि उत्पादन बढ़ेगा, मिलेंगे अच्छे दाम

रासायनिक खेती घातकः विजयवर्गीय

कोटा, (योगेश जोशी): जिले के सांगोद ग्राम पंचायत के किशनपुरा पंचायत में आयोजित जैविक खेती जागरूकता कार्यक्रम में स्थानीय किसानों ने एक समिति का गठन किया है।

संस्थान के मंत्री एवं नगर निगम के पार्षद युधिष्ठिर चानसी ने बताया कि कट्स इंटरनेशनल राजस्थान एवं स्वीडिश सोसायटी फॉर नेचर कंजर्वेशन के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे कार्यशालाओं में हिंगी और किशनपुरा पचायत भवन में किसानों के बीच बोलते हुए राष्ट्रीय जल बिरादरी के प्रदेश उपाध्यक्ष पर्यावरणविद् बृजेश विजयवर्गीय ने कहा कि रासायनिक खादों और कीटनाशकों से खेती की जमीन नष्ट

जैविक खेती जागरूकता कार्यक्रम में संबोधित करते हुए।

हो रही है,इंसानों में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही है। जैविक खेती अपनाने से कृषि उत्पादन श्रेष्ठ होगा तथा उसके दाम भी अच्छे मिलेंगे। देश में कई जागरूका किसानों ने जैविक खेती का महत्व समझा उसे अपना लिया। विजयवर्गीय ने कहा कि गोबर की रेवड़ियां जैविक खाद का बड़ा स्त्रोत है इन्हें कचरा पाइंट न बनने दे। कचरे को पृथक्ककरण करने की आदत डाले उसमें पॉलीथीन,प्लास्टिक को मिलावें नहीं। चानसी ने कहा कि राजस्थान के 10 जिलों में जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे है। किसानों ने इस और कदम बढ़ाऐ है।

किसानों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों की मदद ली जा रही है। किशनपुरा के ग्राम विकास अधिकारी महेंद्र सिंह ने भी किसानों का आव्हान किया कि सरकार स्वंसेवी संस्थाओं के मदद से जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। उसमें भागीदारी पर निभावे। इस अवसर पर किशनपुरा में मेधराज मेहता की अगुवाई में 10 किसानों की समिति का गठन गया है। समिति गांवों में जैविक खेती के लिए किसानों को तैयार करेगी। इस मौके पर देवेंद्र पासवान ने भी विचार व्यक्त किए। सभाओं का संचालन खूबंचद भारती ने किया।

जयनगर, रावड़दा में जैविक खेती की जानकारी दी

भास्कर संवाददाता | चित्तौड़गढ़

कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा बेंगू पंचायत समिति के राजीव गांधी सेवा केन्द्र जयनगर और रावडदा में कोरोना जागरूकता एवं जैविक खेती जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया।

कट्स के सहायक समन्वयक मदन गिरी गोस्वामी ने बताया कि कट्स द्वारा कोरोना से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाकर पंचायत स्तर पर बैठकों का आयोजन कर सामाजिक दूरी अनिवार्य मास्क का इस्तेमाल करते हुये सरकार गाइड लाइन की पालना की जानकारी दी।

बैठक में कट्स के प्रोग्राम सहायक मोहनलाल मेघवाल ने किसानों को जैविक खेती के उत्पादों का उपयोग करने और घर परिवार की आवश्यकता अनुसार जैविक खेती करने की जानकारी दी। जयनगर सरपंच भुक्तालाल गुर्जर ने किसानों को जैविक खेती से जुडने और प्रधानमंत्री परम्परागत कृषि विकास योजना से किसानों को जोडकर समृद्व बनाया जा सकता है। जयनगर रा.उ.मा.वि. के अध्यापक बालुराम सोमानी, एएनएम इन्द्रा रेगर ने कोरोना जागरूकता एवं बचाव के लिए किसानों को सजग रहने का आहवान किया।

कटस की बैठक में विचार रखते हुए।

रघुनाथपुरा राजीव गांधी सेवा केंद्र पर किसानों को जैविक खेती के बारे में बताया

गंगरार | रघुनाथपुरा राजीव गांधी सेवा केंद्र पर सरपंच भवानीराम जाट की अध्यक्षता में जैविक खाद उत्पादन एवं खाद जागरूकता को लेकर कार्यशाला हुई। इसमें कृषि विभाग के सुपरवाइजर मनराज यादव, कट्स संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी मदनलाल कीर, कार्यक्रम सहायक गोवर्धन लाल ने किसानों को जैविक खेती के बारे में जानकारी दी।

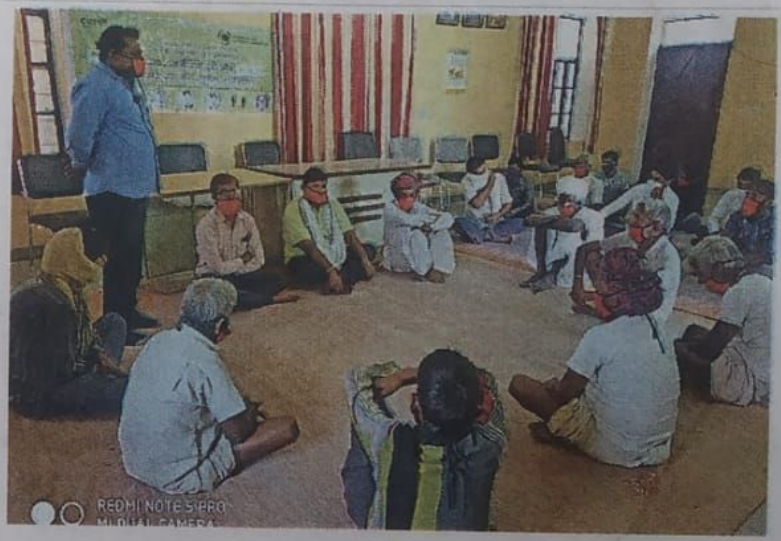

बैठक में रावडदा के ग्राम विकास अधिकारी राधेश्याम पंचोली, ब्रजराज आचार्य, पंचायत सहायक हिम्मतसिंह भाटी, लाड धाकड, राधेश्याम धाकड ने भी कोरोना जागरूकता के बारे में जानकारी देकर किसानों को जैविक खेती से जुडने के लिए प्रेरित किया बैठकों में जैविक खेती अपनाने के इच्छुक किसानों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को कट्स द्वारा मास्क एवं साबुन वितरित किए गए।

सेमिनार • 'ग्रीन एक्शन सप्ताह -2020' के तहत जिला स्तरीय सेमिनार में समाजसेवियों ने पर्यावरण संरक्षण के दिए सुझाव

गोष्ठी में कहा-अच्छा पर्यावरण बनाए रखना हमारा दायित्व

बांसवाड़ा| पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। आने वाली पीढ़ी के लिए अच्छा पर्यावरण बनाएं रखना हमारा दायित्व हैं। ये विचार स्वयं सेवी संगठन कंज्यूमर यूनिटी एंड ट्रस्ट सोसायटी 'कट्स' की ओर से गुरुवार को एक निजी होटल में आयोजित विचार गोष्ठी में उभर कर आए।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के जिला विकास प्रबन्धक सुभाष जैन ने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए परम्परागत तकनीक को पुनः स्थापित करना होगा। उन्होंने नाबार्ड द्वारा संचालित वाड़ी परियोजना के बारे में अवगत कराते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए जन समुदाय में जागरूकता लाने के लिए सतत प्रयास करने की आवश्यकता बताई। बाल कल्याण समिति के सदस्य मधुसूदन व्यास ने कहा कि खेती में रसायनिक खाद व केमिकल के बढ़ते उपयोग से माताओं के पेट में पल रहे शिशु तक जहर पहुंच रहा है, जो एक चिन्ता का विषय है। उन्होंने परंपरागत खेती में कई पद्धतियां ऐसी है जो सामुदायिक साझेदारी की ओर इंगित करती है, उन्हें जीवित रखने की जरूरत है। बाल कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष गोपाल पंड्या ने कहा कि प्रतिस्पर्धा और शहरीकरण के कारण पर्यावरण पर खतरा मंडरा रहा है। हमें पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में समन्वित प्रयास करने होंगे। कट्स मानव विकास केन्द्र के समन्वयक गौहर महमूद ने 'ग्रीन एक्शन वीक' अभियान के उद्देश्य पर बोलते हुए कहा कि शेयरिंग कम्युनिटी विषय पर आयोजित अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन में प्राकृतिक संसाधनों के रियूज, रिड्यूज एवं रिसाइकिल के बारे में जागरूकता लाना है ताकि सतत विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़े। इस अवसर पर प्रगति ग्रामीण विकास सेवा संस्थान के कोदर लाल बुनकर, करुणा फाउंडेशन के गोपाल तलदार ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन कट्स के सूरजमल मकवाना ने किया व आभार मदनलाल कीर ने जताया।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर हुई गोष्ठी में शामिल पर्यावरणविद् और समाजसेवी।

दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित

खाद्यान्न में गुणवत्ता पर ध्यान देना बेहद जरूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सुल्तानपुर. जिले के चयनित प्रगतिशील किसानों की दो दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला क्षेत्र के पड़ासलिया गांव में हुई। जिसमें खाद्यान्न में गुणवत्ता की महत्ता को स्वीकार करते हुए परम्परागत एवं जैविक खेती को अपनाने पर जोर दिया।

रामकृष्ण शिक्षण संस्था भदाना एवं कंन्ज्यूमर यूनिटी ट्रस्ट सोसायटी जयपुर, स्वीडिश सोसायटी फॉर नेचर कंजर्वेशन के संयुक्त तत्वावधान में राज्य कृषि प्रबंध संस्थान के भवन में आयोजित कार्यशाला में किसानों को जैविक उत्पादों के बारे में जगरूक किया तथा जैविक खेती को अपना रहे किसानों से परिचय करवाया। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र चतुर्वेदी ने रासायनिक खादों से बंजर हो रही कृषि भूमि एवं लोगों के स्वास्थ्य को सुधारने पर जोर दिया। वहीं परियोजना अधिकारी राजदीप पारीक ने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और विश्वसनीयता का दूसरा नाम जैविक खेती बताया।

सुल्तानपुर क्षेत्र के पड़ासलिया गांव मे दो दिवसीय अमुखी करण कार्यशाला मेजानकारी देते उन्नत किसान।

रासायनिक खाद का बताया नुकसान

कार्यक्रम में कृषि विभाग के रामविलास पालीवाल ने बताया कि रासायनिक खादों और कीटनाशकों के साइड इफेक्ट बहुत है। अधिक उत्पादन के लिए पंजाब का नाम था। आज रासायनिक खेती के कारण पंजाब बीमारियों के कारण भी प्रसिद्ध हो गया। उन्होंने सरकार की ओर से संचालित किसानों के हितों की योजनाओं की जानकारी दी। कृषि सलाहकार संजीव सब्बरवाल ने जंगल और जानवरों की भी आवश्यकता बताई। जिसके बाद शिक्षाविद् डॉ. गोपाल धाकड़, गायत्री परिवार गौशाला बंधा के संजीव झा ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यशाला का संचालन पर्यावरणविद् जल बिरादरी के प्रदेश उपाध्यक्ष बृजेश विजयवर्गीय ने किया।

जैविक खेती प्रबंधन से रूबरू हुए किसान

प्रशिक्षण के दौरान किसानों ने सुल्तानपुर ब्लॉक के ग्राम पड़ासलिया में रूद्र एग्रो बॉयोटेक फार्म पर प्रगतिशील युवा किसान इंजीनियर उमेश नागर से जैविक खाद बनाने, पंचगव्य, डी कम्पोजर तैयार करने की विधि को देखा और समझा। नागर ने बताया कि सनातन पद्धति से की गई खेती ही जैविक खेती है। इसमें केवल सोच बदलने से ही बड़ी क्रांति संभव है।

जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी में किसानों का दिखा रूझान

कोटा, 26 दिसम्बर। शुक्रवार को निकटवर्ती ग्राम भदाना में आयोजित जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी में जैविक खेती करने वाले किसानों ने अपने उत्पादों को उत्साह से प्रदर्शित किया।

रामकृष्ण शिक्षण संस्थान भदाना तथा कंजयूमर यूनिटी ट्रस्ट एवं स्वाडिश सोसायटी फॉर नेचर कंजर्वेशन के तत्वावधान में आयोजित जैविक प्रदर्शनी में संगोष्ठि को संबांधित करते हुए सीएडी के जिला विकास अधिकारी कृषि भगवान सिंह ने कहा कि रासायनिक खादों और अंधाधुंध कीटनाशकों के अनियंत्रित प्रयोग से मिट्टी, पानी और हवा खराब हो गया है। सरकार भी लोगों को परम्परगत खेती के लिए प्रेरित कर रही है।

कट्स के परियोजना अधिकारी धर्मेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि जैविक उत्पादों के प्रति बढ़ रही है। सभी को अच्छा पोषण जैविक खेती ही दे सकती है। प्रभारी अधिकारी राजपदीप पारीक ने कहा कि जैविक खेती का मुद्दा उपभोक्ताओं से जुड़ा है। कार्यक्रम संचालक पर्यावरणविद् बृजेश विजयवर्गीय ने कहा कि गोबर की रेवड़ियां जैविक खद के अच्छे स्त्रोत है। रेवड़ियों को कचरा पात्र न बनावें। श्री कौशिक गायत्री परिवार बोरखेड़ा के संचालक यज्ञदत्त हाड़ा ने कोविड- 19 गाईड लाईन की पालना कराते हुए व्यक्तिगत दूरी व मास्क को आदत बनाने का आव्हान किया।

आरके संस्थान के महामंत्री युधिष्ठिर चानसी ने बताया कि जैविक प्रदर्शनी में जिले के एक दर्जन से अधिक किसानों ने अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया। पूर्व पार्षद लक्ष्मीनारायण मालव वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्ता रमेश शर्मा भदाना, पूर्व सरपंच जगन्नाथ वरिष्ठ नेता राधेश्याम शर्मा,राम निवास राठौड़ ,महिला प्रशिक्षक नरेंद्र चौधरी, भावना शर्मा के अलावा जैविक प्रगतिशील कृषक हरिपुरा डंगायच के नरेंद्र मालव,राजेंद्र रेगर,अजय शर्मा,घनश्याम चानसी आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर जैविक खेती करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया गया। जुगल किशोर चानसी ने आभार व्यक्त किया।

ब्लॉक स्तरीय किसान जागरुकता शिविर का आयोजन

जैविक खेती से बढ़ेगी किसानों की आय

नांगल राजावतान @ पत्रिका. उपखण्ड मुख्यालय पर राजीव गांधी सेवा केन्द्र में बुधवार को एचजीवीएस दौसा के तत्वावधान में ब्लाक स्तरीय जैविक जागरुकता किसान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एफपीओ लालसोट के निदेशक एसएस शर्मा ने कहा कि जैविक खेती से ही किसानों की आय बढ़ेगी। कम पानी में जैविक खेती से अधिक मुनाफा सम्भव है।

शिविर में जैविक खेती के नि:शुल्क उपकरण देते अधिकारी।

संस्था के निदेशक ओपी पारीक ने किसानों को कहा कि जैविक खेती से लोगों को बीमारियों से बचाव होने के साथ ही किसान की आमदनी करीब डेढ़ से दो गुना बढ़ जाएगी। भारत सरकार की मंशा को साकार रूप देने में सार्थक होगी। शिविर में जैविक खेती को बढ़ावा देने वाले किसानों को नि:शुल्क जैविक उपकरणों का वितरण किया गया। इस मौके पर बाबूलाल मीना, सुलतान मीना, सोमप्रकाश स्वामी, शम्भुदयाल जांगिड़, लाखनसिंह राजावत, कपील स्वामी आदि मौजूद थे।

जैविक उत्पादों की बिक्री एवं उपभोग: कोरोना महामारी के दौरान बढ़ते रूझान से नई जीवनशैली की शुरूआत के संकेत

कट्स इंटरनेशनल द्वारा राजस्थान में एक महत्वपूर्ण सर्वेक्षण

उन्नति एक्सप्रेस/राहुल शर्मा

जहां वैष्विक स्तर पर कोरोना वैक्सीन के बनने एवं परीक्षण का दौर अभी चालू ही है, वहीं उसके साथ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लोगों के खानपान के तरीकों में बदलाव होने के संकेत मिले हैं जो कि जैविक उत्पादों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि के रूप में सामने आए है। महामारी के दौरान बहुत से खुदरा जैविक उत्पाद विक्रेताओं की अच्छी बिक्री हुई है जो कि कोरोना महामारी के चलते उपभोक्ताओं के खाने की बदलती आदतों में बदलाव के कारण है। कोरोना काल में उपभोक्ता अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए जैविक उत्पादों की ओर रूख कर रहे हैं। इस बदलते परिवेष को और अधिक समझने के लिए 'कट्स' संस्था ने उपभोक्ताओं और

विक्रेताओं के मध्य एक व्यापक सर्वेक्षण के माध्यम से अनुभवों को जानने का प्रयास किया है। ये सर्वेक्षण राजस्थान के दस प्रमुख जिलों में किया गया। इससे यह जानने का प्रयास किया गया कि उपभोक्ताओं ने इस कोरोना काल में कौन-कौन से जैविक उत्पादों की मांग विक्रेताओं के सम्मुख रखी और विक्रेताओं की कौन-कौन से उत्पादों की ज्यादा बिक्री हुई। साथ ही सर्वेक्षण में यह जानने का भी प्रयास किया गया कि कोरोना महामारी के दौरान उपभोक्ताओं ने किन-किन माध्यमों से जैविक उत्पाद खरीदें। कोरोना काल में जैविक उत्पादों में उपभोक्ताओं की पसंद के संबंध में 74 प्रतिषत विक्रेताओं ने बताया कि ज्यादा जैविक उत्पादों में सब्जियों की मांग अधिक रहती हैं। जबकि 6 प्रतिषत फलों, 13 प्रतिषत अनाज और 1 प्रतिषत जैविक मसालों की मांग रही है। 46 प्रतिषत विक्रेताओं ने कहा कि उपभोक्ता विभिन्न जैविक उत्पाद खरीदने के लिए विभिन्न ऑनलाईन प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं, जबकि 52 प्रतिषत विक्रेताओं का कहना है कि उपभोक्ता जैविक उत्पाद खरीदने के लिए सीधे ही विक्रेताओं के पास आते हैं। सबसे महत्वपूर्ण प्रष्न जैविक उत्पादों में बिक्री में वृद्धि के जवाब में 91 प्रतिषत विक्रेताओं ने कहा कि पिछले दस महीनों में कोरोना महामारी के दौरान जैविक उत्पादों की बिक्री में वृद्धि हुई है। 69 प्रतिषत विक्रेताओं ने बताया कि आय में आंषिक वृद्धि हुई है, जबकि 74 प्रतिषत विक्रेताओं ने कहा कि कई बार ऐसी स्थिति आई जब उपभोक्ताओं की ओर से अधिक मांग आने पर जैविक उत्पाद के स्टॉक में कमी महसूस की गई। 74 से 77 प्रतिषत विक्रेताओं ने कहा कि किसानों को अधिक जैविक उत्पाद उपलब्ध करवाने के लिए दबाव बनाना पड़ा। कट्स के प्रोग्राम आफिसर्ज धर्मेन्द्र चतुर्वेदी व राजदीप पारीक ने जानकारी देते हुए बताया की देश मे उपभोक्ताओं के सर्वेक्षण के दौरान कुल सर्वेक्षण में से 89 प्रतिषत उपभोक्ताओं ने कहा कि उन्होंने जैविक उत्पादों का उपभोग करना प्रारम्भ कर दिया है। इन 89 प्रतिषत में से 54 प्रतिषत उपभोक्ताओं ने कहा कि स्वयं सेवी संस्थाओं के जागरूकता अभियान से जैविक उत्पाद उपभोग करने के प्रति जागरूकता बढ़ी है। बाकी उपभोक्ता अन्य तरीकों से भी जैविक उत्पादों के प्रति जागरूक हुए हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि करीब 90 प्रतिषत उपभोक्ताओं ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान स्वयं की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की दृष्टि से जैविक उत्पाद उपभोग की प्रवृत्ति बढ़ी है। जबकि, 60 प्रतिषत उपभोक्ताओं ने यह महसूस किया कि जैविक उत्पादों की दुकानें/आउटलेट्स की खोज करने में बड़ी परेषानी आई, विषेषकर लोकडाउन के दौरान। इसके साथ ही सर्वेक्षण में 72 प्रतिषत उपभोक्ताओं का कहना है कि जैविक उत्पाद गैर- जैविक उत्पादों की अपेक्षा अधिक महंगे होते हैं।

सर्वेक्षण में सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह प्राप्त हुई कि कोरोना महामारी के बीच में जैविक उत्पादों की आमद भी अधिक रही है और खपत भी अधिक हुई है।

दस माह बाद कल से शुरू हो रहे हैं स्कूल, शिक्षा विभाग ने की तैयारी, मास्क लगाने पर ही मिलेगा प्रवेश, कक्षा में सोशल डिस्टेंस से होगी बैठने की व्यवस्था

उन्नति एक्सप्रेस/राहुल शर्मा

करने के साथ सेनेटाइज करने के इंतजाम

लाख कोशिश करने के बाद भी दाल न गले तो मैगी बना लेना चाहिए - आनंदश्री

जैविक खेती एवं बीज प्रबंधन पर कार्यशाला

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ओसियां/बापिणी. बापिणी कस्बे में मरुधर गंगा सोसायटी माणकलाव एवं कट्स इंटरनेशनल के तत्वाधान में राजस्थान राज्य में जैविक उत्पादन व उपयोग द्वारा सतत उपभोग व जीवनशैली की संस्कृति का विकास स्वच्छता, शारीरिक दूरी पर जागरूकता कार्यशाला बापिणी ब्लॉक स्तरीय पर आयोजन किया गया इस कार्यशाला में बापिणी, कड़वा, बेदू, पूनासर से बैठक में 32 सहभागियों ने भाग लिया सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी भरत कुमार भाटी ने कहा कि मारवाड़ की परंपरागत साथ धनिया खेती को हमने छोड़ कर पूर्णतः रसायन युक्त खेती की ओर जा रहे हैं पैदावार तो बढ़ी है और गुणवत्ता गिरावट आई है।

ओसिया. जैविक खेती की जानकारी देते हुए। पत्रिका

बापिणी उपसरपंच बाबूलाल मेघवाल ने फसलों में देसी खाद व दवा के इस्तेमाल की जरूरत बताई। बापिणी कृषि पर्यवेक्षक अधिकारी सुभाष सिंह मांगलिया ने जैविक सब्जियों के लिए कीचन गार्डन एवं उनके उत्पादन के जैविक दवाई स्प्रे तैयार करने की जानकारी दी साथ ही सरकार की कृषि संबंधी योजनाओं की भी जानकारी दी। (निस)

Scanned with CamScanner

दैनिक भास्कर
सवाई माधोपुर 31-01-2021

रासायनिक खाद व दवाइयों के प्रयोग से जमीन हो रही बंजर, वातावरण और पानी भी हो रहा दूषित

जिला स्तरीय कृषक आमुखीकरण कार्यशाला में किसानों को किया जागरूक

खंडार। कस्बे के बानीपुरा हनुमानजी मंदिर प्रांगण में स्वयंसेवी संस्था रूरल डवलपमेंट सोसायटी एंड वोकेशनल ट्रेनिंग आर्गेनाइजेशन व कटस इंडरनेशनल जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषक आमुखीकरण कार्यशाला एवं भ्रमण कार्यक्रम का आरंभ किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता कटस इंटरनेशनल जयपुर के कार्यक्रम अधिकारी राजदीप पारीक ने की। यह कार्यशाला राजस्थान राज्य में जैविक उत्पादन व उपभोग द्वारा सतत उपभोग व जीवन शैली की संस्कृति का विकास विषय पर आयोजित की गई। परियोजना अधिकारी मिनिषा गौड़ ने परियोजना पर प्रकाश डाला तथा कहा कि राजस्थान के 90 जिलों में जैविक आधारित खेती पर कार्य किया जा रहा है। विभिन्न जिलों में किसानों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। खेती में रासायनिक खादों का प्रयोग दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है इससे जमीन सख्त हो गई है। जमीन दिनोंदिन खाद की अधिक मांग कर रही है। कई गांवों में जमीन के ऊसर होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। परियोजना मुख्यतः जागरूकता पैदा करने तथा प्रत्यक्ष प्रदर्शन के लिए जैविक उपभोग को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है।

खंडार। जिलास्तरीय कृषक आमुखीकरण कार्यशाला में मौजूद अधिकारी व कृषक।

सहायक कृषि अधिकारी साबूलाल मीणा ने जैविक खेती की महत्वता व विशेषता पर प्रकाश डाला। कटस इंटरनेशनल के राजदीप पारीक ने व्यापारियों द्वारा किसानों का बीज, खाद व रासायनिक दवाईयों से शोषण किए जाने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसानों को महंगें बीज खरीदने पड़ रहे है जबकि किसान ही बीज उत्पादन कर रहा है। उन्हीं बीजों को कंपनियों द्वारा पैकिंग के द्वारा ठगा जा रहा है।

किसानों को अपने बीज स्वयं तैयार करने की आवश्यकता है। संस्था के दिनेश कुमार ने कहा कि पेस्टीसाईड का जहर हमारे जीवन में घुल रहा है। हमारे शरीर में 148 तरह की बीमारियां घर कर गई है, जो जैविक खाद के द्वारा तैयार उत्पाद से ही दूर की जा सकती है। किसानों द्वारा अंधाधुंध प्रयोग से जमीन, वातावरण व पानी खराब होता जा रहा है, इससे बचने की आवश्यकता है। कृषि पर्यवेक्षक राधेश्याम ने सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। प्रगतिशील किसान अजीत सिंह शेखावत द्वारा अपने अनुभवों का आदान प्रदान किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के कई किसान मौजूद थे।

जैविक उत्पाद भविष्य के खाद्य पदार्थ- डॉक्टर मोहनोत

निर्मल जैन, जोधपुर। वर्तमान महामारी के दौर में जैविक खेती एवं जैविक खाद्य पदार्थ उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थ साबित होंगे उक्त विचार डॉक्टर एस एम मोहनोत ने मरुधर गंगा सोसायटी माणकलाव एवं कट्स इंटरनेशनल के तत्वाधान में संचालित प्रो ऑर्गेनिक परियोजना के अंतर्गत आयोजित जैविक मेले के दौरान व्यक्त किए इस जैविक मेले का आयोजन जोधपुर के सरदारपुरा में गणगौर गार्डन में किया गया मेले में जोधपुर जिले में जैविक खेती करने वाले विभिन्न किसानों एवं किसान ग्रुप्स के द्वारा जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई तथा उपभोक्ताओं द्वारा जैविक उत्पादों को खरीदा गया कट्स जयपुर से पधारे परियोजना अधिकारी राजदीप पारीक ने परियोजना का उद्देश्य बताते हुए कहा कि इस प्रकार की मेले का आयोजन करने का उद्देश्य जैविक खेती करने वाले किसान एवं जैविक उत्पाद खरीदने वाले उपभोक्ताओं को एक कॉमन प्लेटफार्म के माध्यम से जानकारी करवाना है जिससे किसान को अपने उत्पाद का बाजार मिल सके एवं जो उपभोक्ता जैविक उत्पाद खरीदना चाहता उनको जैविक उत्पाद आसानी से मिल सके सेवड ऑर्गेनिक के दीपक सिंह राजगुरु ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से जैविक खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा साथ ही उनके उत्पाद को बाजार भी मिलेगामरुधर गंगा सोसायटी के सचिव भरत कुमार भाटी ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए विशिष्ट अतिथियों को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया अभिनंदन किया और इस फेस्टिवल में दांतीवाड़ा मदीना ऑर्गेनिक कृषि फार्म कैप्टन बाबू खा जी पठान सेवड ऑर्गेनिक के दीपक राजगुरु एनआर बामणिया राम ऑर्गेनिक ऑर्गेनिक एग्रो फार्म धनाराम पटेल गंगा ऑर्गेनिक के भावना शर्मा मरुधर गंगा सोसायटी माणकलाव के जैविक स्टॉल विक्रेता सविता भाटी श्री जैविक अनम अशोक नेचुरल ऑर्गेनिक फार्मिंग इन पोट्स जम्मू बाय फर्टिलाइजर्स एंड पेस्टिसाइड्स जय नारायण जी राम ऑर्गेनिक के वेद प्रकाश आदि जैविक स्टाल लगाए गए इन स्टॉल में सब्जियां फल पौधे सूखी सब्जियां खाद्यान्न दलहन की प्रदर्शनी लगाकर लोगों को जैविक खेती की तरफ बढ़ावा देने के लिए जागरूक और मंच प्रदान किया गया इस कार्यक्रम में मादुराम कड़ेला सिमरथाराम पथिक राजदीप पारीक गणमान्य लोग मौजूद थे।

जैविक खेती एवं आत्मनिर्भर किसान

इस समय जब पूरा विश्व कोरोना महामारी से जुझ रहा है, भारत में भी इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिल रहा है।

चूंकि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या गांवों में निवास करती हुं, जिसका एक बहुत बडा हिस्सा खेती एवं खेती से जुडे व्यवसायों पर निर्भर है। अत: जब तक हम अपनी खेती और अपने किसान को आत्मनिर्भर नही बनायेगे, तब तक आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना करना बेकार है। हमारे देश की तरह हमारा किसान भी खेती में दूसरो के भरोसे जी रहा है। शायद यही एक कारण है कि ज्यादातर किसान खेती करना छोड रहे है और उनके लिए घाटे का व्यापार साबित हो रही है। खेती में बाजार की निर्भरता ने किसान की कमर तोड दी है तथा वो बैंको और व्यापारिकयो के बोझ तले दब गया है। नतीजन उसे आत्महत्या करने के लिए मजबुर होना पड रहा है। यदि हमें किसान को आत्मनिर्भर बनाना है तो उसकी बाजार पर निर्भरता को खत्म करना पडेगा। मुख्य रुप से किसान को इन पहलुओं के बारें में सोचना पडेगा।

खाद, कीटनाशक, एवं बीज के लिए आत्मनिर्भरता: वर्तमान खेती की पद्धति में किसान इन तीनों आदानो के लिए बाजार पर निर्भर रहता है। जबकि जैविक खेती की बात करे तो उसमें किसान के पास उपलब्ध संसाधनों से मृदा पोषण कीट, नियंत्रण एवं बीज तैयार किया जाता है। खाद के लिए किसान अपने खेत पर कम्पोस्ट, वर्मीकम्पोस्ट,

जीवामृत सींग खाद आदि तैयार कर सकता है, जो पूर्णतया प्राकृतिक है तथा मृदा पोषण में लाभकारी है। चूकि जैविक खेते में कीट नियंत्रण से ज्यादा बचाव को महत्ता दी गई है और यदि पूरी पद्धति जैविक हो तो कीट एवं रोग का प्रकोप भी कम होता है तथा समय समय पर हर्बल स्प्रे,, नीमास्त्र, दशपर्णी अर्क आदि का उपयोग करके फसल में कीट एवं रोगो से हानें वाले नुकसान से बचा सकता है।

बीज की यदि हम बात करे तो ज्यादा उत्पादन के लालच में किसान हाईब्रिड बीजो को काम में लेते है तथा अपने परम्परागत बीजों को बचा के रखने की कला को भूलते जा रहे है। आजकल बाजार में बीज के नाम पर हो रहे गोरखधंधे में फंस कर किसान नकली बीजों के व्यापार को बढावा दे रहे है। यदि किसान अपना स्वयंचं का बीज तैयार करने लगे तो धीरे धीरे बीज की गुणवत्ता भी सुधर जायेगी तथा जो बीज वहां की मिट्टी, पानी और पर्यावरण के अनुकूल होकर अच्छा उत्पादन देने लग जायेगा। इससे किसान के बीज की गुणवत्ता तो सुधरेगी ही, साथ ही बाजार पर निर्भरता भी कम हो जायेगी।

परिवार की जरुरत आधारित खेती की योजना- सामान्यत हम देखते है कि किसान खेती की योजना बनाते समय या तो भेडचाल चलते है या बाजार के आधार पर फसल का चयन करते है। इससे शरीर की जरुरत को ध्यान में नही रखा जाता है। उदाहरण के लिए अभी कुछ समय पहले प्याज के भावों में तेजी आई तो शेखवाटी के किसानो ने ज्यादा क्षेत्रफल में प्याज की खेती की, परंतु कोरोना महामारी की वजह से उनको सही दाम नही मिल पाया तथा कई किसानो के प्याज खराब हो गये। सीधे शब्दो में कहे तो हमारो देश का किसान सरसों बेच कर तेल खरीदने वाला है। इसी खेती की योजना को अगर परिवार की जरुरत के हिसाब से बनाय जाये, जिसमें अनाज, दलहन, तिलहन, सब्जी एवं पशुपालन का समावेश हो तो परिवार कीजरुरत खेती से पूरी होगी। उसके बाद बाजार की जरुरत के हिसाब से फसल का चयन करे जिससे ज्यादा मुनाफा हो सके।

समन्वित प्रणाली का समावेश- जिस प्रकार खेती करना अकेले आदमी के वश की बात नहीं है, उससे पूरे परिवार को लगना पडता है। उसी प्रकार खेतील में एकल प्रणाली सही नही है। इससे विभिन्न आयोमो का समावेश ही किसान को आत्मनिर्भर बना सकता है। फसल के साथ उन्नत पशु पालन को अनिवार्यता देनी होगी, क्योकि दोनो एक दूसरे के पूरक है। इसमें उद्यानिकी, मसाले वाली फसलें, सब्जियों की खेती आदि का समावेश करना पडेगा। जिससे खेती जोखिम कम होगा तथा वर्षभर आमदनी होती रहेगी।

इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर यदि भारत का किसान खेती में बदलाव करता है तो हम आत्मनिर्भर की तरह बढेगे।

राजदीप पारीक
कार्यक्रम अधिकारी, कट्स इंटरनेशनल जयपुर, मो.9461670755

जैविक खेती राजपुरा बी एल धाकड़

'कट्स' नें शुरु किया कोरोना पर जागरूकता अभियान

निजी संवाददाता

चित्तौड़गढ़ (बढ़ता राजस्थान)। अग्रणी उपभोक्ता संस्था 'कट्स' ने कोरोना महामारी के खिलाफ वृहद् स्तर पर जागरूकता अभियान का प्रारम्भ किया है। 'कट्स' के द्वारा चित्तौडगढ जिलो कि 5 पंचायत समितियों में 01 से 15 जुलाई तक विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा, जिसका औपचारिक षुभारम्भ आज चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति की एराल ग्राम पंचायत से हुआ। बैठकों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने के लिए इससे सम्बन्धित सामग्री यथा मास्क, सेनेटाईजर, साबुन आदि वितरित किये जायेंगे। इन जागरूकता गतिविधियों हेतु हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड़ से प्राप्त निःषुल्क साबुनों का भी वितरण किया जाएगा। 'कट्स' के निदेषक जॉर्ज चेरियन ने बताया कि इन गतिविधियों का मुख्य उद्देष्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सामाजिक सुरक्षा, स्वच्छता, षारीरिक दूरी और सुरक्षित खाद्य के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि जनता को भी सतर्क रहने, सभी स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन करने और संक्रमण से बचाव के लिए अवगत कराया जायेगा।

उन्होंने बताया कि अनलोक के दौरान लोग विषेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में इस महामारी को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। लोग जगह-जगह षादी एवं अन्य समारोह में बिना मास्क पहने षामिल हो रहे हैं जो कि इस महामारी को फैलाने में कारगर सिद्ध हो रही है। इसलिए हमें इस वायरस के प्रसार को रोकने के उपायों के बारे में लोगों को अधिक से अधिक जागरूक करना होगा, ताकि वे इस महामारी से खुद को एवं अपने परिवारों को बचा सकें।

कोरोना को लेकर जागरुकता कार्यशाला हुई सम्पन्न

झालावाड़। जिले की खानपुर पंचायत समिति के ग्राम पंचायत कवल्दा में कोरोना महामारी पर जागरूकता कार्यशाला संपन्न हुई, कार्यशाला में मुख्य अतिथि सरपंच पवित्रा नागर रही कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम विकास अधिकारी शबनम परवेज ने की कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कनिष्ठ लिपिक रामअवतार भील सामाजिक विकास संस्था के सचिव नाथूराम चौधरी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही ग्राम विकास अधिकारी परवेज ने कहा कि कोरोना महामारी बचाव के लिए साबुन से बार-बार आते हैं बाहर निकलने से पहले अपने आप को सतर्क करते हुए मास्क अवश्य लगाएं सामाजिक दूरी बनाए रखें, सर्दी खांसी बुखार की तकलीफ होने पर चिकित्सक को दिखाएं सीखते समय मुंह पर कपड़ा रखें कोरोना से डरे नहीं कोरोना से लड़े।